टीएसवीएस में आईसीऽ रीजनल फोरम, रिनाउंड काउंसलर गणेश कोहली ने कॅरियर काउंसलिंग के दिए टिप्स

मैथ्स, फिजिक्स जैसे सब्जेक्ट टीचर्स की तरह हर स्कूल में एक कॅरियर काउंसलर होना जरूरी

- भोपाल में पहली बार हुआ आयोजन, आए 106 एजुकेटर्स।
- देश-विदेश की 15 यूनिवर्सिटीज के रिप्रेजेंटेटिव हुए शामिल।
- एक्सपर्ट बोले- मशीनें क्रिएटिव नहीं होतीं, इनसे डरें नहीं

• गणेश कोहली

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

फिजिक्स, केमेस्ट्री, बायो.... इन सभी सब्जेक्ट्स में हर साल एक ही सिलेबस पढ़ते हैं। लेकिन कॅरियर ऑपर्च्युनिटीज में हर समय बदलाव आते रहते हैं। ऐसे में बहुत जरूरी है कि एक कॅरियर काउंसलर 'i don't know' बोलना सीखे। जब वे किसी क्वेरी का जवाब 'नहीं मालूम' में देना सीखेंगे, तभी वे स्टूडेंट्स को ज्यादा रिसर्च बेस्ड गाइडेंस दे पाएंगे। याद रखिए, 21वीं शताब्दी में वो अशिक्षित नहीं है, जिसे लिखना या पढ़ना नहीं आता, बल्कि असल में वह व्यक्ति अशिक्षित है, जो अनलर्न और रीलर्न करना नहीं जानता। गुरुवार को टीएसवीएस में यह बात शेयर की आईसीऽ (इंटरनेशनल कॅरियर एंड कॉलेज काउंसलिंग कॉन्फ्रेंस) एनुअल कॉन्फ्रेंस के प्रेसिडेंट और रिनाउंड काउंसलर गणेश कोहली ने। वे द संस्कार वैली स्कूल में आयोजित आईसीऽ रीजनल फोरम में मुख्य वक्ता के तौर पर बोल रहे थे। फोरम में भोपाल के अलग-अलग स्कूलों सहित विभिन्न देशों से आए करीब 106 एजुकेटर्स और इंडिया सहित स्विटजरलैंड, हंगरी और ऑस्ट्रेलिया की 15 यूनिवर्सिटीज के री-प्रेजेंटेटिव शामिल हुए। यह पहला मौका था, जब आईसीऽ की रीजनल फोरम में इतनी बड़ी संख्या में एजुकेटर्स व काउंसलर्स शामिल हुए। टेक्निकल सेशंस में स्कूल रीप्रेजेंटेटिव्स को स्कूल में एक प्रॉपर काउंसलिंग सेंटर शुरू करने के लिए सही अप्रोच और काउंसलर के सही रोल के बारे में बताया। यहां टीनएज में यंगस्टर्स की उमंग, आकांक्षाओं और पैरेंट्स की एक्सपेक्टेशंस के कारण बच्चों पर बढ़ रहे बर्डन को ग्रुप डांस में दिखाया गया।

यहां गणेश कोहली ने कहा- हमारे देश की सबसे बड़ी समस्या यही है कि हम बच्चों को 20 साल आगे के फ्यूचर के लिए 20 साल पुरानी एजुकेशन दे रहे हैं। ऐसे में जब पढ़ाई पूरी कर स्टूडेंट प्रोफेशनल वर्ल्ड में पहुंचता है, तो वह पहले से ही 40 साल पीछे चल रहा होता है। आज हम स्कूलों में बच्चों को एजुकेट करने की बजाय सिर्फ इन्फॉर्म करने पर फोकस कर रहे हैं, जबकि इन्फॉर्मेशन तो बच्चे को गूगल से भी मिल रही है। यही वजह है कि टीचिंग प्रोफेशन बच्चों के लिए लगातार बोरिंग होता जा रहा है।

काउंसलिंग पर कहा- स्कूल में किसी प्रिंसिपल या फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ्स के टीचर्स जितना ही महत्वपूर्ण कॅरियर काउंसलर व काउंसलिंग लैब्स हैं। आज कुछ ही बच्चों को ही सही कॅरियर गाइडेंस मिल पाता है। इसी का नतीजा है कि 'गैलअप' के सर्वे यह सामने आता है 80 प्रतिशत लोग अपने काम पर खुश होकर नहीं जाते। रोडरेज जैसी अनहैप्पी चीजें भी खुद से दुःखी लोग ही करते हैं।

आर्टीफीशियल इंटेलीजेंस पर कहा- मशीनें हमारी तरह क्रिएटिव नहीं हो सकतीं। वो हमसे ज्यादा इंस्ट्रक्शन फॉलो कर सकती हैं। हमें उन स्किल्स को बढ़ाने की जरूरत है, जो मशीनें नहीं कर सकतीं। प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल और इंटरपर्सनल स्किल्स में मशीनों की मदद लें।

टीएसवीएस में कई देशों की यूनिवर्सिटी के रिप्रेजेंटेटिव हुए शामिल @pg20

TSVS में कई देशों की यूनिवर्सिटी के रिप्रेजेंटेटिव हुए शामिल

सिटी रिपोर्टर | भोपाल

टीएसवीएस में हुए आईसी 3 रीजनल फोरम में देश-विदेश की यूनिवर्सिटीज़ से रिप्रेजेंटेटिव्स आए, जिन्होंने अपनी यूनिवर्सिटी के कोर्सेज़ और वहां की विशेषताओं के बारे में स्टूडेंट्स को जानकारी दीं।

एजुकेशन इन आयरलैंड- यह आयरलैंड की गवर्नमेंट से जुड़ी बॉडी है, जो स्टूडेंट्स को आयरलैंड की यूनिवर्सिटीज के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने में मदद करती है। आयरलैंड गवर्नमेंट स्टूडेंट्स को स्कॉलरशिप भी देती है, जिसके तहत मास्टर्स कोर्स के लिए फुल फीस रिबेट और बैचलर कोर्स के लिए पहले साल में स्टाइपेंड दिया जाता है। फर्स्ट इयर में परफॉर्मेंस अच्छी होने पर यह अगले साल के लिए एक्सटेंड हो जाती है।

बुडापेस्ट मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, हंगरी- हंगरी स्थित इस यूनिवर्सिटी में आर्ट एंड डिजाइनिंग, बिजनेस मैनेजमेंट, कम्यूनिकेशन और टूरिज्म से जुड़े कोर्सेज ऑफर होते हैं। इस यूनिवर्सिटी में फिलहाल लगभग 90 देशों से आए 1000 से ज्यादा इंटरनेशनल स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं। इस यूनिवर्सिटी में एनिमेशन और बिजनेस मैनेजमेंट सबसे पॉपुलर कोर्स हैं। यहां एकेडमिक स्कॉलरशिप स्टूडेंट्स को पहले सेमेस्टर की परफॉर्मेंस के आधार पर सेकंड सेमेस्टर से दी जाती है।

अशोका यूनिवर्सिटी, सोनीपत हरियाणा- यह यूनिवर्सिटी लिबरल आर्ट्स के लिए जानी जाती है, लेकिन लिबरल कोर्सेज का मतलब यह नहीं है कि यहां सभी कोर्सेज ह्यूमेनिटीज के हैं। यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स अपनी च्वॉइस के हिसाब से सब्जेक्ट कॉम्बिनेशंस को चुन सकते हैं, उन्हें कोई खास सब्जेक्ट्स का सेट पढ़ने के लिए बाउंड नहीं किया जाता। कोर्स में सेकंड ईयर के मध्य में डिक्लेयरेशन प्रोसेस होती है, जिसमें डेढ़ साल विषयों को समझने के बाद स्टूडेंट्स अपनी पसंद के फाइनल सब्जेक्ट चुनते हैं। यूनिवर्सिटी में कंप्यूटर साइंस के साथ आंत्रप्रेन्योरशिप और बायोलॉजी के साथ साइकोलॉजी वर्तमान में सबसे ज्यादा डिमांड में रहने वाले कॉम्बिनेशन हैं।

सैंट जॉर्ज्स यूनिवर्सिटी, ग्रेनाडा, वेस्टइंडीज- यह यूनिवर्सिटी सिर्फ मेडिकल बेस्ड प्रोग्राम्स रन करती है। एडमिशन के लिए स्टूडेंट्स की कंप्लीट प्रोफाइल चेक करने के साथ उनका स्काइप इंटरव्यू लिया जाता है। यूनिवर्सिटी में एमडी और डीवीएम दो प्रोग्राम हैं, एमडी प्रोग्राम 12वीं के बाद के लिए है। ध्यान रखें, यह ग्रेजुएशन लेवल प्रोग्राम है, इस प्रोग्राम का नाम भले ही एमडी है, लेकिन यह इंडिया के एमबीबीएस प्रोग्राम के बराबर ही है।

इंडियन स्कूल ऑफ डिज़ाइन एंड इनोवेशन, मुंबई - इंस्टीट्यूट में सभी कोर्सेज डिजाइनिंग, मैनेजमेंट, कम्यूनिकेशन और हॉस्पिटैलिटी से जुड़े हुए हैं। इंस्टीट्यूट का सबसे पॉपुलर कोर्स डिजाइन एंड हॉस्पिटैलिटी है।

ग्लिऑन इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन- यह यूनिवर्सिटी हॉस्पिटैलिटी कोर्सेज ही ऑफर करती है। 3.5 साल के कोर्स में 5 सेमेस्टर्स और 2 इंटर्नशिप होती हैं। यूनिवर्सिटी के तीन कैंपस स्विट्जरलैंड, स्पेन और चाइना में हैं। यूनिवर्सिटी में इंटरव्यू, क्वेश्चनआयर और लेटर ऑफ रिकमेंडेशन के आधार पर एडमिशन दिया जाता है।

मोनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया- यह यूनिवर्सिटी दरअसल 8 ऑस्ट्रेलियन यूनिवर्सिटी का ग्रुप है, जो टॉप-100 यूनिवर्सिटीज में शामिल हैं। इस यूनिवर्सिटी में आर्ट, डिजाइन, आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग, आईटी, लॉ, मेडिसिन, आंत्रप्रेन्योरशिप और हेल्थ से जुड़े कोर्सेज ऑफर किए जाते हैं।

Translated Article

JUST LIKE WE HAVE MATHS AND PHYSICS TEACHERS IN SCHOOLS, EVERY SCHOOL MUST HAVE A CAREER COUNSELLOR!

Renowned counselor Ganesh Kohli gave tips on counseling at the IC3 Regional Forum held at The Sanskaar Valley School (TSVS), Bhopal

- **Organized in Bhopal for the first time, 106 educators attended**
- **Representatives from 15 universities of India and abroad participated**
- **The experts said – "Machines are not creative, so do not fear them"**

City report, Bhopal

Physics, Chemistry, Bio – the same syllabus is taught in these subjects every year, but continuous changes take place in the field of career counseling. In such a situation, it is necessary that the career counselor should learn to say "I don't know". When they learn to respond with an "I don't know" to a query, only then they will be able to give a more research based guidance to the students. But please remember, in this 21st century, he is not uneducated who does not know how to read and write, but uneducated is he who does not know how to unlearn and relearn. These were the words shared by the President of the IC3 (International Career and College Counseling Conference) Movement and Chair of the Annual IC3 Conference- Ganesh Kohli at TSVS on Thursday. He was addressing the gathering as the main spokesperson/speaker in the IC3 Regional Forum organized at The Sanskar Valley School. About 106 educators from various schools of Bhopal and other countries and representatives of 15 universities of India, Switzerland, Hungary and Australia participated in this forum. This was the first time that educators and counselors in such a large number had gathered for the IC3 Regional Forum. In the technical sessions, the school representatives were told to start a proper counseling center in the school and about the right approach and the right role of a counselor. The enthusiasm and aspirations of the youngsters and the increasing burden on the children because of the expectations of the parents was presented through a dance.

Ganesh Kohli said in his speech – The problem of our country is that we are giving a 20 year old education to our children to prepare for 20 years in the future. In such a

situation, when the student completes his or her education and steps into the professional world, he or she is already 40 years behind time. Nowadays, we are focusing on informing the children rather than educating them in our schools. But today, children can get information from Google as well. This is the reason that the teaching profession is becoming increasingly boring for the children.

He shared his thoughts on counseling – The career counselor and the counseling laboratory is as important in the school as any Principal, or Physics, Chemistry, Mathematics teachers. Today, very few children receive the right career guidance. As a consequence, it is seen in the survey of 'Gallop' that 80 percent of the people do not go for their jobs with a happy mind. Unhappy things like road rage are also done by such unhappy people.

He spoke about artificial intelligence – The machines cannot be as creative as we are, but they can follow more instruction than us. We need to develop those skills which the machines do not have. Take the help of the machines in problem solving and inter-personal skills.

Representatives from Indian as well as foreign universities attended the IC3 Regional Forum held at TSVS. They informed the students about the courses offered in their universities and their specialties.

Education in Ireland – This a body attached to the Government of Ireland which helps the students to get information about the universities of Ireland. The Government of Ireland gives scholarships to the students; under which full fee rebate is granted for Master's course and stipend is given for the Bachelor's course in the first year. If the student performs well in the first year, then this stipend is extended for the next year.

Budapest Metropolitan University, Hungary – This University situated in Hungary offers courses related to Art and Designing, Business Management, Communication and Tourism. Currently, more than 1000 international students from almost 90 countries are studying in this University. Animation and Business Management are the most popular courses in this University. The students are given academic scholarship in the Second Semester on the basis of their performance of the First Semester.

Ashoka University, Sonipat, Haryana – This University is known for Liberal Arts, but Liberal Arts does not mean that all the courses are related to Humanities. The students

can choose the subject combinations according to their choice. They are not bound to study a particular set of subjects. In the middle of the Second year of the course, there is a declaration process, in which the students choose the final subjects of their choice after understanding the subjects for one and a half year. The combinations in maximum demand currently in the University are Entrepreneurship with Computer Science and Psychology with Biology.

St. George University, Grenada, West Indies – This University runs only Medical based programs. The complete profile of the student is checked for admission and a Skype interview is also conducted. There are two programs in the University – MD and DVM. The MD Program can be taken up after the 12th class. Please remember, though the name of this program is MD, it is a program of the Graduation level and is equivalent to the MBBS Program of India.

Indian School of Design and Innovation, Mumbai – All the courses of the Institute are related to Designing, Management, Communication and Hospitality. The most popular course of the Institute is Design and Hospitality.

Glion Institute of Higher Education – This University offers only Hospitality courses. There are 5 semesters and 2 internships in the 3.5 year's course. There are three campuses of the University in Switzerland, Spain and China. Admission is given in the University on the basis of interview, questionnaire and Letter of Recommendation.

Monash University, Australia – This is a group of 8 Universities, which are included in the list of Top 100 universities. In this University, courses related to Art, Design, Architecture, Engineering, IT, Law, Medicine, Entrepreneurship and Health are offered.